

प्राप्ति 3. बाढ़ आदि द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी से नदी तट या मुहाने के आकार या आमाप में वृद्धि।

अभिवेचक पुं. (तत्.) अभिवेचन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति या संस्था आदि।

अभिवेचन पुं. (तत्.) अश्लीलता, जनद्वेषकारी, सरकार-विरोधी या नैतिकता विरोधी आदि आपात्तिजनक कृतियों, फिल्मों, व्याख्यानों आदि की कांट'छांट करने या निषिद्ध करने अथवा हटा लेने का वह कार्य जो कानून द्वारा दिया गया होता है।

अभिवेदन पुं. (तत्.) दे. अभ्यावेदन।

अभिव्यंजक वि. (तत्.) 1. प्रकट या व्यंजित करनेवाला 2. सूचक 3. बोधक।

अभिव्यंजन पुं. (तत्.) 1. विचारों या भावों का शब्दों या संकेतों द्वारा प्रकटीकरण, अभिव्यक्ति 2. प्रकाशन।

अभिव्यंजना स्त्री. (तत्.) शब्दों या किसी अन्य माध्यम से किसी विषय के वर्णन या निरूपण की क्रिया या प्रक्रिया।

अभिव्यंजनावाद पुं. (तत्.) कला. कला को अधिक अभिव्यंजनात्मक और संवेग पूर्ण बनाने के लिए विरूपित आकृतियों, विषयनिष्ठ प्रतीकों तथा गहरे रंगों के प्रयोग का सिद्धांत नाट्य. नाट्यलेखन तथा मंच-प्रस्तुतीकरण की वह शैली जिसमें नाटक की विषय वस्तु की संवेगात्मकता तथा पात्रों की अपनी स्वाभाविक (मनोवैज्ञानिक) प्रतिक्रियाओं की अभिव्यक्ति पर बल दिया जाता है।

अभिव्यंजित वि. (तत्.) जिसकी अभिव्यक्ति हुई हो, जिसे शब्दों, संकेतों, चेष्टाओं द्वारा प्रकट किया गया हो।

अभिव्यक्त वि. (तत्.) जो प्रकट किया गया हो, जिसकी अभिव्यक्ति की गई हो।

अभिव्यक्ति स्त्री. (तत्.) 1. अभिव्यक्त या प्रकट होने की क्रिया या भाव 2. कारण का कार्य के रूप में परिणत होने की दशा।

अभिव्यक्तिकरण पुं. (तत्.) अभिव्यक्त करने (या होने) की प्रक्रिया, सामने आ जाना, प्रकट करना।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता स्त्री. (तत्.) सरकार की ओर से, विघ्न बाधा या हस्तक्षेप के बिना, लोगों को अपनी बात खुले आम कहने-सुनने बताने का (मौलिक) अधिकार दे. वैचारिक स्वतंत्रता।

अभिव्यक्तिवाद पुं. (तत्.) 1. सृष्टि में ब्रह्मा की अभिव्यक्ति मानने का सिद्धांत 2. इस सिद्धांत के अंतर्गत रस की निष्पत्ति के विषय में आचार्य अभिनवगुप्त का यह मत कि श्रोता या सहृदय में स्वयं उसकी अपनी ही सहज अनुभूतियों के आधार पर उसपर नायक-नायिका के मनोभावों संचारी भाव आदि द्वारा इस की अभिव्यक्ति होती है।

अभिव्यक्तिवादी वि. (तत्.) अभिव्यक्तिवाद का अनुयायी या समर्थक।

अभिव्यापक वि. (तत्.) पूर्ण रूप से फैला हुआ या सर्वप्रचलित।

अभिव्याप्त वि. (तत्.) जो सब तरफ फैला हो। फैला हुआ, विस्तृत।

अभिव्याप्ति स्त्री. (तत्.) सर्वव्यापकता, समावेश।

अभिशंका स्त्री. (तत्.) 1. आशंका, संदेह 2. चिंता, व्यग्रता।

अभिशंसन पुं. (तत्.) 1. दोषारोपण 2. व्यभिचार का दोष लगाना 3. अपराधी घोषित करना।

अभिशंसा स्त्री. (तत्.) दे. अभिशंसन।

अभिशंसित वि. (तत्.) न्यायालय में जिस पर लगाया गया दोष सिद्ध हो गया हो।

अभिशापित वि. (तत्.) लांछित, आरोपित, अभिशप्त।

अभिशाप्त पुं. (तत्.) शापित, जिसे शाप दिया गया हो।

अभिशाप पुं. (तत्.) शाप, बददुआ।

अभिशापन पुं. (तत्.) बुराई करना, कोसना, अहित-चिंतन।